http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 155

प्रयागराज गुरुवार 20 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

ज्ञानेश कुमार ने कार्यभार संभाला

● मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बारे में जान लें ये बातें, समाधान पर रखते हैं फोकस, सादगी के सभी मुरीद

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। नवनियुक्त मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डाघ विवेक जोशी ने बुधवार को यहां अपना कार्यभार संभाल लिया। श्री ज्ञानेश कुमार भारत के 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त है। उन्होंने श्री राजीव कुमार का स्थान लिया है जिनका कार्यकाल मंगलवार को सम्पन्न हुआ। श्री ज्ञानेश कुमार का निर्वाचन आयेग के मुख्यालय पर निर्वाचन आयुक्त डाघ सुखबीर सिंह संधू और डाघ विवेक जोशी ने स्वागत किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने नयी जिम्मेदारी संभालने के बाद एक संक्षिप्त संदेश में नागरिकों विशेषकर युवा नागरिकों के लिए कहा कि उन्हें मतदान की जिम्मेदारी जरुर निभानी चाहिए। उन्होंने इसे राष्ट्र सेवा के लिए पहला कदम बताया। श्श्री कुमार ने कहा राष्ट्र सेवा के लिए पहला कदम है मतदान , अतरू भारत के नागरिक जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हों , उन्हें मतदाता जरुर बनना चाहिए और मतदान अवश्य करना चाहिए।श भारत के संविधान , लोक प्रतिनिधित्व कानूनों , नियमों एवं उनके अन्तर्गत जारी निर्देशों के अनुरुप चुनाव आयोग हमेशा मतदाताओं के साथ था , है और रहेगा।श आगरा की विजय नगर कॉलोनी के रहने वाले ज्ञानेश कुमार गुप्ता को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाए जाने से लोगों में हर्ष की लहर है। लोगों ने उनके बारे में बात करते हुए कहा कि वे समस्या नहीं समाधान पर फोकस रखते हैं। उनकी सादगी के सभी मुरीद हैं। आगरा की विजय नगर कॉलोनी निवासी ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाए जाने से लोगों में हर्ष की लहर है। मुख्य चुनाव आयुक्त से जुड़े लोगों ने कहा कि वह कई बड़े ओहदों पर रहे हैं, लेकिन व्यवहार में सादगी बनी हुई है, जो मन को छू जाती है। श्रीराम सेंटेनियल स्कूल से जुड़ी रहीं दयालबाग निवासी शिक्षिका श्रुति दास का कहना है कि उनका समस्या समाधान के प्रति दृष्टिकोण ताजगी से भरा है।

'संगम का जल नहाने योग्य'

● योगी बोले- मानव मल की अफवाह फैला रहा विपक्ष भगदड़ को लेकर भी घेरा

लखनऊ,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ के आयोजन को लेकर की जा रही बयानबाजी पर सपा पर हमला करते हुए कहा कि ये लोग पहले दिन से ही महाकुंभ का विरोध कर रहे हैं। ये लोग सनातन धर्म का अपमान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ के आयोजन को लेकर अफवाह फैलाने वाले करोड़ों लोगों की आस्था का अपमान कर रहे हैं। अब तक महाकुंभ में 56 करोड़ से भी ज्यादा लोग स्नान कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि संगम का जल साफ है और डुबकी लगाने योग्य है। विपक्ष के लोग इसमें मानव मल होने का दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का आयोजन किसी सरकार का आयोजन नहीं है। यह सनातन संस्कृति का आयोजन है। महाकुंभ पर अफवाह फैलाने वाले और अनर्गल आरोप लगाने वाले सनातन आस्था का अपमान कर रहे हैं। इस पर राजनीति नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी विधानसभा में महाकुंभ पर संक्षिप्त चर्चा में जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा के लोग महाकुंभ का पहले दिन से ही विरोध कर रहे हैं। इनकी एक सहयोगी ममता बनर्जी ने महाकुंभ को मृत्युकुंभ कहा है। इसी तरह राजद नेता लालू प्रसाद यादव ने इसे फालतू की बात कहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा था कि महाकुंभ की भगदड़ में हजारों लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि अगर सनातन संस्कृति का पालन करना अपराध है तो हम से अपराध हजार बार करेंगे। उन्होंने सपा पर हमला करते हुए कहा कि संक्रमित व्यक्ति का उपचार हो सकता है संक्रमित सोच का कोई उपचार नहीं है। महाकुंभ महान आयोजन है। महान कार्य को तीन अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है। उपहास से, विरोध से और स्वीकृति से। स्वीकृति का इससे अधिक प्रमाण क्या हो सकता है कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष खुद चुपचाप जाकर महाकुंभ में डुबकी लगा आए। मुख्यमंत्री योगी ने एक शेर के माध्यम से विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा बड़ा हसीन है इनकी जुबान का जादू, लगाकर के आग बहारों की बात करते हैं। जिन्होंने रात में चुन–चुन के बस्तियों को लूटा, वही नसीबों के मारों की बात करते हैं। यह पार्टी विशेष और सरकार का नहीं, बल्कि समाज का आयोजन मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ किसी पार्टी विशेष और सरकार का नहीं, बल्कि समाज का आयोजन है। सरकार पीछे है। सरकार सहयोग और उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के लिए सेवक के रूप में है। सेवक के रूप में उत्तरदायित्वों का निर्वहन करना हमारी जिम्मेदारी है।

केंद्र ने आपदा प्रभावित पांच राज्यों के लिए 1554 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में उच्च–स्तरीय समिति ने वर्ष 2024 के दौरान बाढ़, आकस्मिक बाढ़, भूस्खलन, चक्रवाती तूफान से प्रभावित पांच राज्यों को राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष से 1554.99 करोड़ रूपए की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को बुधवार मंजूरी दी। गृह मंत्रालय ने कहा है कि केंद्र सरकार का यह कदम प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने वाले इन पांच राज्यों के लोगों की मदद करने के संकल्प को दर्शाता है।

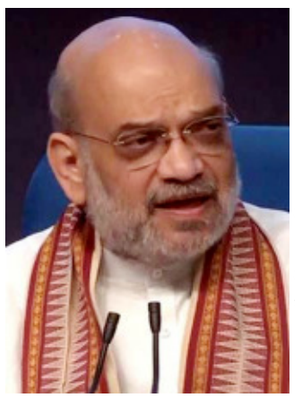

उच्च–स्तरीय समिति ने पांच राज्यों को 1554.99 करोड़ रुपये की केन्द्रीय सहायता को मंजूरी दी है जो वर्ष के लिए राज्य आपदा मोचन कोष में उपलब्ध प्रारंभिक शेष राशि के 50 प्रतिशत के समायोजन के अधीन है। 1554.99 करोड़ रुपये की कुल राशि में से आंध्र प्रदेश के लिए 608.08 करोड़ रुपये, नागालैंड के लिए 170.99 करोड़ रुपये, ओडिशा के लिए 255.24 करोड़ रुपये, तेलंगाना के लिए 231.75 करोड़ रुपये और त्रिपुरा के लिए 288.93 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। यह अतिरिक्त सहायता केंद्र द्वारा राज्यों को राज्य आपदा मोचन कोष से जारी धनराशि के अतिरिक्त है जो पहले से ही राज्यों के पास उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान केंद्र सरकार ने राज्य आपदा कोष से 27 राज्यों को 18,322.80 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय कोष से 18 राज्यों को 4,808.30 करोड़ रुपये, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष से 14 राज्यों को 2208.55 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष से आठ राज्यों को 719.72 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

'चुनाव परिणामों के लिए आप जवाबदेह होंगे'

● मल्लिकार्जुन खरगे की कांग्रेस नेताओं को दो टूक
● संगठन में कुछ और बदलावों का भी संकेत दिया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, सभी महासचिव और विभिन्न राज्यों के प्रभारी शामिल थे। खरगे ने पार्टी नेताओं से कहा, श्दिल्ली ने बदलाव के लिए मतदान किया और संसाधनों की कमी के बावजूद अच्छी लड़ाई लड़ने के लिए राज्य नेतृत्व के प्रयासों की सराहना की जाती है।श कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के भीतर जवाबदेही की जरूरत पर जोर देते हुए बुधवार को शीर्ष पार्टी नेताओं को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सभी महासचिव और प्रभारी अपने प्रभार वाले राज्यों में संगठन व चुनाव परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे। दरअसल, खरगे ने बुधवार को पार्टी महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की एक अहम बैठक की। इसमें नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति के मुद्दे का भी जिक्र किया गया। खरगे ने कहा कि चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर करने से साफ है कि सरकार को उनकी निष्पक्षता पर भी भरोसा नहीं है। उन्होंने मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ी को लेकर कहा कि इस चुनौती से निपटना होगा। खरगे ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि कई बार पार्टी की मजबूती के लिए जल्दबाजी में कई लोगों को शामिल कर लिया जाता है, लेकिन विचारधारा में कमजोर लोग मुश्किल समय में भाग खड़े होते हैं। श्असल फिसल पड़े और नकल चल पड़ेश यह पुरानी कहावत है, ऐसे लोगों से हम दूर रहें। आपको ऐसे लोगों को लाना चाहिए, जो वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध हों और जो मुश्किल समय में पार्टी के पीछे चट्टान की तरह खड़े रहें। यह टिप्पणी दिल्ली चुनाव में पार्टी की करारी हार को लेकर आई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, श्मैंने कार्य समिति की पिछली दो बैठकों में संगठनात्मक सृजन बात की थी। उस कड़ी में कई फैसले लिए जा चुके हैं। कुछ और फैसले जल्दी ही किए जाएंगे।श नए पदाधिकारियों को संबोधित कर कही यह बात इंदिरा भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित बैठक में नए पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने पार्टी नेताओं से जमीनी स्तर पर काम करने, बूथ स्तर से पार्टी को मजबूत करने और ऐसे लोगों को बढ़ावा देने का आग्रह किया, जो संगठन के प्रति वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध हैं। संगठन में कुछ और बदलावों का भी संकेत दिया खरगे ने संगठन में कुछ और बदलावों का भी संकेत दिया और कहा कि कुछ बदलाव पहले ही हो चुके हैं और कुछ और होने वाले हैं। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा, श्मैं आपसे जवाबदेही की सबसे महत्वपूर्ण बात के बारे में बात करना चाहता हूं। राज्यों में संगठन को नया स्वरूप देने और भविष्य के सभी चुनाव परिणामों के लिए आप सभी को जवाबदेह ठहराया जाएगा।श दिल्ली के चुनावी नतीजे पर कही यह बात बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, सभी महासचिव और विभिन्न राज्यों के प्रभारी शामिल थे।

आने वाले चुनावों में भी जारी रहेगा इंडिया गठबंधन, हार से सीखा सबक: अखिलेश

सहारनपुर,(एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री सपा के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी रुद्रसेन की बेटी के विवाह में शामिल होने के लिए सहारनपुर पहुंचे। समारोह में मौजूद चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों का आंदोलन कमजोर पड़ा है, इसलिए गन्ने का उचित मूल्य नहीं मिल रहा। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि आने वाले चुनाव में गठबंधन जारी रहेगा। जो पार्टी जिस सीट को जीतने की स्थिति में होगी, उसे वहीं से चुनाव लड़ाया जाएगा। इंडिया गठबंधन की मूल भावना भी यही है। पूर्व मुख्यमंत्री मंगलवार को सपा के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी रुद्रसेन की बेटी के विवाह समारोह में पहुंचे थे। वहीं भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत भी समारोह में शामिल हुए। मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन रहेगा। हार से भी सबक सीखा है। उपचुनाव में हुई हार पर कहा कि आपने सोशल मीडिया पर देखा होगा कि किस प्रकार मतदाताओं को रोका गया। सुनने में आ रहा है कि पुलिस के लोग भी बटन दबा रहे थे। बेईमानी का आरोप लगाते हुए हमने चुनाव आयोग से गुहार लगाई थी, लेकिन वहां भी सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से बेड़ियां पहनाकर भारतवासियों को अमेरिका से वापस भेजा गया, वह बहुत अपमानजनक है। किसान जिंदा बचा रहे, वही बड़ी बात भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि आंदोलन समाप्त होने का ही परिणाम है कि गन्ना मूल्य नहीं बढ़ा है।

भारत को मिलेगा कृत्रिम द्वीप पर एयरपोर्ट!

● कौन से शहर में चल रही तैयारी, कहां है पहले से ऐसी व्यवस्था?

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। भारत में कहां कृत्रिम द्वीप पर एयरपोर्ट के निर्माण की योजना बनाई जा रही है? इसे लेकर अब तक क्या–क्या जानकारियां सामने आई हैं? कृत्रिम द्वीप पर बनाए जाने वाले एयरपोर्ट को लेकर पहली बार चर्चा कब शुरू हुई? और किन–किन देशों में ऐसे ही देश की मुख्य भूमि से अलग द्वीप पर एयरपोर्ट बनाए गए हैं? वहां क्या सुविधाएं हैं? आइये जानते हैं... भारत में क्षेत्रीय स्तर पर एक के बाद एक नए एयरपोर्ट्स का उद्घाटन जारी है। इस बीच मुंबई को भी इसी साल अप्रैल में दूसरा एयरपोर्ट मिलने जा रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज एयरपोर्ट के बाद अब शहर में नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का भी उद्घाटन होने वाला है। भारत की वाणिज्यिक राजधानी में दो एयरपोर्ट्स का होना कोई चौंकाने वाली बात नहीं है। हालांकि, जिस खबर ने अब तक सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं, वह है एक कृत्रिम द्वीप पर भारत के पहले एयरपोर्ट के निर्माण से जुड़ी तैयारियों की। भारत में कहां कृत्रिम द्वीप पर एयरपोर्ट के निर्माण की योजना बनाई जा रही है? इसे लेकर अब तक क्या–क्या जानकारियां सामने आई हैं? कृत्रिम द्वीप पर बनाए जाने वाले एयरपोर्ट को लेकर पहली बार चर्चा कब शुरू हुई? और किन–किन देशों में ऐसे ही देश की मुख्य भूमि से अलग द्वीप पर एयरपोर्ट बनाए गए हैं? वहां क्या सुविधाएं हैं? आइये जानते हैं.. . कृत्रिम द्वीप पर बनेगा एयरपोर्ट, ये कितना अहम होगा? हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि मुंबई, जिसे दुनिया श्मैक्सिमम सिटीश के नाम से भी जानती है, वहीं भारत का कृत्रिम द्वीप पर बना पहला एयरपोर्ट भी होगा। इसे लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। बताया गया है कि यह एयरपोर्ट वाढवण बंदरगाह के करीब एक कृत्रिम द्वीप पर होगा, जो कि छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से करीब 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित होगा। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के पालघर के करीब वाढवण बंदरगाह मुंबई के बिल्कुल सीमाई क्षेत्र में मौजूद है।

वाढवण सीपोर्ट 76,000 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट है, जो कि पूरा होने के बाद दुनिया के 10 सबसे बड़े बंदरगाहों में शामिल होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2024 में इस सी पोर्ट की नींव रखी थी। बताया गया है कि यह बंदरगाह दो चरणों में विकसित किया जाएगा। पहला चरण 2030 तक पूरा हो जाएगा, जबकि दूसरा चरण 2039 तक पूरा होने की संभावना है।

वाढवण बंदरगाह की परियोजना का उद्देश्य विश्वस्तरीय समुद्री प्रवेश द्वार स्थापित करना है। पालघर जिले के दहानु शहर के पास स्थित वाढवण बंदरगाह भारत में गहरे पानी में स्थित सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक होगा और अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन के लिए सीधा संपर्क प्रदान करेगा।

'आप किसी बड़े वकील का नाम लेंगे और हम सुनवाई स्थगित कर देंगे, ऐसे नहीं चलेगा'

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पीठ ने वकील को फटकार लगाई और सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर आपको लगता है कि किसी बड़े वकील का नाम लेकर आप मामले की सुनवाई स्थगित करा लेंगे तो आपका ये सोचना गलत है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान वकील ने पीठ से सुनवाई स्थगित करने की मांग की क्योंकि एक वरिष्ठ वकील सुनवाई में शामिल होने वाले थे। इस पर पीठ ने वकील को फटकार लगाई और सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर आपको लगता है कि किसी बड़े वकील का नाम लेकर आप मामले की सुनवाई स्थगित करा लेंगे तो आपका ये सोचना गलत है। सुप्रीम कोर्ट पीठ ने जताई नाराजगी जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइंया की पीठ ने एक व्यवसायिक विवाद के मामले में सुनवाई के दौरान ये टिप्पणी की। दरअसल सुनवाई के दौरान पेश हुए एक वकील ने कोर्ट से अपील की कि सुनवाई के चार हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया जाए, क्योंकि वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे इस मामले में आगे सुनवाई करेंगे। वकील ने बताया कि साल्वे अभी विदेश में हैं और जब वे वापस भारत लौटेंगे तो सुनवाई में शामिल होंगे। इस पर पीठ ने नाराजगी जताते हुए कहा कि श्क्या आपको ऐसा लगता है कि हम मामले की सुनवाई इसलिए स्थगित कर देंगे क्योंकि आपने एक वरिष्ठ वकील का नाम लिया है? वकीलों को ये आदत छोड़नी होगी। हम इस आधार पर सुनवाई स्थगित नहीं कर सकते।श पीठ ने कहा कि श्हम इस सोच को खत्म करना चाहते हैं।श हालांकि बाद में पीठ ने वकील की अपील को स्वीकार कर लिया और मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। हरीश साल्वे देश के जाने–माने वकील हैं और कई हाई प्रोफाइल मामलों से जुड़े रहे हैं। पूर्व में भी सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों को लगाई थी फटकार इससे पहले जनवरी में भी अदालत ने एक वकील को फटकार लगाई थी क्योंकि वकील अपनी कार से ही सुनवाई में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए थे।

अमेरिका से भारतीयों के निर्वासन पर कांग्रेस का प्रदर्शन

● विधायकों ने हथकड़ी–बेडियां लगाकर जताया विरोध

गांधीनगर,(एजेंसी)। गुजरात में कांग्रेस विधायकों ने हाथों में हथकड़ी और पैरों में बेडियां लगाकर अमेरिका से भारतीयों के निर्वासन पर विरोध जताया है। कांग्रेस विधायकों ने राज्य विधानसभा के बाहर जमा हुए और नारे लगाए कि श्भारतीयों का यह अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तानश। गुजरात कांग्रेस विधायकों ने बुधवार को गांधीनगर में राज्य विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने हथकड़ी और बेड़ियां लगाकर अमेरिका से अवैध रूप से आए भारतीय प्रवासियों को वापस भेजे जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया। गुजरात कांग्रेस के विधायक गांधीनगर में राज्य विधानसभा के बाहर जमा हुए और नारे लगाए कि श्भारतीयों का यह अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तानश। अमेरिका से तीसरा विमान पहुंचा अमृतसर बता दें कि, हाल ही में अमेरिका से वापस लाए गए गुजरात के तीन अवैध भारतीय प्रवासियों को सोमवार को अहमदाबाद लाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद रविवार को 112 अवैध रूप से वापस लाए गए लोगों का तीसरा जत्था अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा। 5 फरवरी को, कथित रूप से अवैध रूप से अमेरिका में प्रवास करने वाले भारतीय नागरिकों के पहले जत्थे को लेकर अमेरिकी वायुसेना का विमान पंजाब के अमृतसर पहुंचा। निर्वासन पर क्या बोले पंजाब के सीएम? इससे पहले शनिवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आश्वासन दिया था कि वापस भेजे गए लोगों के साथ उचित व्यवहार किया जाएगा और सभी व्यवस्थाएँ की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्वासित लोगों को उनके संबंधित राज्यों में ले जाने से पहले कुछ घंटों के लिए अमृतसर में रहना होगा। शनिवार को अमृतसर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भगवंत मान ने कहा, श्हमारे बच्चे ही यहां आ रहे हैं, इसलिए यहां से कोई भी भूखा न रहे, हम व्यवस्था करेंगे। हमने उनके लिए रहने की व्यवस्था भी की है। वे यहां कुछ घंटों के लिए रुकेंगे और फिर अपने–अपने राज्यों में चले जाएंगे क्योंकि विदेश मंत्रालय ने पहले ही उड़ानें बुक कर ली हैं।श अवैध प्रवासियों पर पीएम मोदी ने कही थी। ये बात13 फरवरी को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे अपने नागरिकों को वापस लेने की भारत की इच्छा व्यक्त की और मानव तस्करी के श्पारिस्थितिकी तंत्रश को खत्म करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

आर्थिक असमानता

भारत की अर्थव्यवस्था का ढांचा लंबे समय से पिरामिड के समान है, जिसमें शीर्ष पर सीमित लोगों के पास अधिकांश संपत्ति केंद्रित है, जबकि निचले स्तर पर व्यापक जनसंख्या अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही है। यह असमानता समय के साथ और भी गहराती जा रही है। आर्थिक असमानता के आंकड़े निरंतर भयावह होते जा रहे हैं और आर्थिक प्रगति के साथ–साथ असमानता की खाई और गहरी होती जा रही है। विश्व असमानता रिपोर्ट 2022–23 के अनुसार, भारत दुनिया में सबसे ज्यादा आर्थिक असमानता वाला देश है। भारत की सबसे अमीर 1: आबादी के पास देश की कुल आय का 22.6: और कुल संपत्ति का 53: हिस्सा है। शीर्ष 10: आबादी के पास कुल आय का 57: और संपत्ति का 77: हिस्सा है। इसके विपरीत, निचली 50: आबादी के पास जीडीपी का केवल 13: और संपत्ति का 4.1: हिस्सा है। भारत में अरबपतियों की संख्या 2024 में बढ़कर 270 से अधिक हो चुकी है। फोर्ब्स के अनुसार, भारत अब दुनिया में अमरीका और चीन के बाद सबसे अधिक अरबपतियों का देश है। यह स्थिति समृद्धि के साथ ही आर्थिक नीतियों में असंतुलन को दर्शाती है।

अर्थव्यवस्था में असमानता केवल संपत्ति वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि कराधान प्रणाली में भी इसकी गहरी झलक मिलती है। ऑक्सफेम रिपोर्ट के अनुसार निचली 50: आबादी, जो जीडीपी में केवल 13: और संपत्ति में 4.1: योगदान देती है, कुल 64: जीएसटी चुकाती है। मध्य वर्ग द्वारा 30: से अधिक जीएसटी का भुगतान किया जाता है। इसके विपरीत, देश की सबसे अमीर 10: आबादी केवल 5: से कम जीएसटी देती है। आंकड़ों के अनुसार भी उच्च वर्ग की कर देनदारी उनकी आय और संपत्ति के अनुपात में बहुत कम है। यह अप्रत्यक्ष कर प्रणाली के जरिए गरीब और मध्य वर्ग पर अत्यधिक बोझ डालने का उदाहरण है। भारत में वर्तमान आर्थिक व्यवस्था क्रोनी कैपिटलिज्म के चरम पर पहुंच गई है। प्रत्येक क्षेत्र में कुछ गिनी–चुनी कंपनियों का एकाधिकार स्थापित हो रहा है। ग्राहक इन कंपनियों द्वारा निर्धारित मनमाने दामों का शिकार हो रहे हैं। आर्थिक असमानता के अनेक सामाजिक प्रभाव दृष्टिगोचर हो रहे हैं। बढ़ती आर्थिक असमानता सामाजिक असंतोष, अपराध और अस्थिरता को बढ़ावा दे सकती है। यह गरीब और मध्य वर्ग की जीवन गुणवत्ता को प्रभावित करती है, जिससे उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच सीमित हो जाती है।

आर्थिक असमानता की समस्या के समाधान की दिशा ने सरकार द्वारा अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। प्रगतिशील कर प्रणाली यानी संपत्ति और आय पर आधारित कराधान प्रणाली को और अधिक प्रगतिशील बनाने से अमीर वर्ग का योगदान बढ़ सकता है। गरीब और मध्य वर्ग के लिए सब्सिडी, स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा योजनाओं को सशक्त बनाने के साथ ही सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। अप्रत्यक्ष करों में भी सुधार की प्रक्रिया चल रही है। जीएसटी का बोझ गरीब और मध्य वर्ग पर कम कर, अमीर वर्ग पर अधिक डालने की आवश्यकता है। इसके साथ ही सरकार को व्यापारिक एकाधिकार के खिलाफ कड़े कानून लागू करने चाहिए। निचले वर्ग के लोगों के लिए न्यूनतम मजदूरी और रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। राष्ट्र की समग्र प्रगति के लिए यह जरूरी है कि वह अपनी तेज आर्थिक वृद्धि को सभी वर्गों तक समान रूप से पहुंचाए। असमानता न केवल आर्थिक विकास को बाधित करती है, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता के लिए भी खतरा बन सकती है। सरकार, उद्योग और समाज को मिलकर एक ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जो न्यायसंगत और समावेशी हो।

रखना होगा ध्यान

देश में एक साल में पांच लाख से ज्यादा सड़क हादसों में करीब पौने दो लाख लोग अकाल मौत के शिकार हो जाएं तो इससे बड़ी चिंता की बात कोई नहीं हो सकती। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी जब यह कहते हैं कि लोगों में कानून का डर नहीं है तो सीधे तौर पर उनका संकेत लापरवाह वाहन चालकों की तरफ भी है। साथ ही यह भी कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता भी कहीं न कहीं प्रभावित होती है। तभी तो गडकरी ने गलत काम पर ठेकेदारों को बुलडोजर के नीचे होने की चेतावनी तक दे दी। हादसों के कारण गिनाते हुए मंत्री ने कहा कि पांच लाख में से ज्यादातर मौतें वाहन चालकों की लापरवाही के कारण हुईं। इनमें तीस हजार से ज्यादा दोपहिया चालकों की मौत हेलमेट न लगाने से हुई।

इसमें कोई संशय नहीं कि कोई भी अपराध या कोताही सभ्य नागरिक दायित्वों में कमी की तरफ इंगित करती है। लेकिन महज कानून बनाकर ही सरकारें अपने दायित्व को पूरा हुआ नहीं मान सकती। हर बार हादसों की रोकथाम के लिए सड़क सुरक्षा माह व सप्ताह जैसे आयोजन होते हैं लेकिन सड़क हादसों के आंकड़े कम होने के बजाए पहले से ज्यादा होते जाते हैं। कारण साफ है कि यातायात नियमों की पालना व गुणवत्तायुक्त सड़कों का निर्माण दोनों ही दिशाओं में जितना काम होना चाहिए था उतना नहीं हो पा रहा। व्यवस्था दो तरह से सुधारी जा सकती है।

पहली जागरूकता और नागरिकों में समझबूझ विकसित करके तथा दूसरी उनमें यह डर दिखाकर कि नियमों का पालन नहीं किया तो उन्हें इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। दोनों ही व्यवस्थाओं को जनता को अपने हित का मानकर चलना चाहिए। संदेश उन ठेकेदारों को भी देना होगा जो लालच में आकर सड़कों में लोगों के जीवन से खिलवाड़ करती खामियां छोड़ देते हैं। सही मायने में कानून का डर पैदा करना भी तंत्र की ही जिम्मेदारी है। निश्चित तौर पर व्यवस्था में कमियां हैं। कानून की पालना करवाने वाले अंगों का लचीला रुख और कई मामलों में भ्रष्टाचार का रवैया भी इसके लिए कम जिम्मेदार नहीं है। रही बात आधारभूत संरचनाओं और कई अन्य पहलुओं की। कई मामलों में हमने विदेशी तकनीक का अनुसरण किया है, तो फिर सड़क निर्माण और परिवहन व्यवस्था सुधार में ऐसा क्यों नहीं कर सकते? नवीनतम तकनीक से बनाए गए दिल्ली–मुम्बई एक्सप्रेस वे तक में तकनीकी खामियां छोड़ दी जाएं तो इसे क्या कहेंगे? जाहिर तौर पर यातायात नियमों को लेकर जनसाधारण को जागरूक करने के साथ–साथ सिस्टम में घुसे भ्रष्ट तंत्र पर भी नकेल कसनी होगी जो जानलेवा हादसों के लिए जिम्मेदार है।

रेलवे की स्पीड बढ़ा सकते हैं ये तीन 'एस'

पूरे भारत में ट्रेन से की गई हर यात्रा एक खूबसूरत अनुभूति का अहसास कराती है और लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने और उन्हें एक साथ लाने, जोड़े रखने में बड़ी भूमिका निभाती है। 170 वर्षों की विरासत के साथ भारतीय रेलवे ने दुनिया के चौथे सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क के रूप में अपनी पहचान बनाई है। हाल ही दो बड़ी परियोजनाओं ने नए मानक स्थापित किए हैं और देश का ध्यान आकृष्ट किया है। प्रधानमंत्री ने जम्मू रेल डिवीजन का उद्घाटन किया जो इस क्षेत्र की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करता है और यह सपना छह दशकों में कश्मीर के लिए पहली सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने से कुछ पहले ही पूरा हुआ है।

नया जम्मू डिवीजन भारतीय रेलवे का 70वां और उत्तर रेलवे के तहत छठा डिवीजन होगा। यह पहल क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को ताकत देने और निर्बाध कनेक्टिविटी के सपने को साकार पूरा करने के लिए तैयार है। नवनिर्मित साउथ कोस्ट रेलवे जोन के मुख्यालय के लिए उन्होंने जो आधारशिला रखी, वह भी समान रूप से उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। भारतीय रेलवे के इस 18वें जोन के मुख्यालय निर्माण के बाद इस पूरे क्षेत्र में कृषि, व्यापार और पर्यटन से संबंधित गतिविधियों का विस्तार होगा जो स्थानीय अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकेगा। साथ ही ये उपलब्धियां परिवहन के साधन, विकास और राष्ट्रीय एकता की दिशा में भारतीय रेलवे की भूमिका को रेखांकित करती हैं।

अर्थशास्त्री बिबेक देबोरॉय की अध्यक्षता वाली 2015 की रेलवे रिफॉर्म्स रिपोर्ट में कई बदलावों की सिफारिश की गई थी। हाल के फैसले इसी रिपोर्ट के अनुरूप हैं। रिपोर्ट में फील्ड ऑफिसर्स, महाप्रबंधकों और मंडल रेल प्रबंधकों को सशक्त बनाने की सिफारिश की गई थी। सरकार ने रेलवे को सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए रिपोर्ट के कई सुझावों को क्रियान्वित किया है जिसमें नए डिवीजन और जोन का निर्माण भी शामिल है। इसके अलावा वंदे भारत ट्रेन और कवच सुरक्षा प्रणाली (ट्रेन दुर्घटनाएं रोकने में मदद) जैसी पहल इंटीग्रेटेड टेक्नालॉजी पर फोकस करती हैं। गति शक्ति विश्वविद्यालय की स्थापना और राष्ट्रीय रेल संरक्षण कोष (आरआरएसके) जिसका सृजन 01 अप्रेल 2017 को पांच वर्ष के लिए एक लाख करोड़ रुपए के फंड की प्रतिबद्धता से किया गया था, सुरक्षा चिंताओं को संबोधित करता है। वर्ष 2022–23 में सरकार ने इस कोष में 45,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त समर्थन के साथ आरआरएसके को अगले 5 साल के लिए बढ़ा दिया है।

भारतीय रेल का विकास तेजी से हो रहा है लेकिन अभी शक्तिशाली इंजनों की कमी जैसी चुनौतियां भी हैं जिसके लिए सावधानीपूर्वक नेविगेशन की जरूरत है। मौजूदा उपलब्धियों के लिए जश्न मनाते समय, गति बनाए रखने और संभावित बाधाओं की पहचान करना भी आवश्यक है। तेज गति से बढने के लिए संभावित बाधाओं पर एकसाथ काम करने की जरूरत है। ये कार्ययोजना हैं तीन 'एस' रणनीति यानी शेयर और स्पीड बढ़ाना और सर्विस चार्जेज में कमी लाना। सबसे पहले और सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण तो यह है कि रेलवे को सर्विस चार्जेज (लॉजिस्टिक कॉस्ट्स) में कमी लानी चाहिए। 2022–23 के इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार, भारत में मौजूदा लॉजिस्टिक कॉस्ट्स वैश्विक बेंचमार्क 8त्न के मुकाबले जीडीपी के 14–18त्न के बीच है। जबकि भारत ने विश्वबैंक के लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स की रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन किया है। 2023 के लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक में भारत 38वें स्थान पर रहा जबकि 2018 में 44वें और 2014 में 54वें स्थान पर था। लेकिन अभी भी लगभग 26 लाख करोड़ रुपए का प्रतिस्पर्धी अंतर बना हुआ है। लेकिन पिछले सालों में अंतर काफी कम भी हुआ है।

भारतीय रेलवे ने ट्रैक विद्युतीकरण, डिजिटल लॉजिस्टिक्स सिस्टम में सुधार और माल ढुलाई प्रबंधन में वृद्धि के जरिए इसमें सराहनीय प्रगति की है। इसी धुरी पर आगे बढ़ते हुए लॉजिस्टिक्स लागत को और कम करने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना की जरूरत है। मुख्य उपायों में थोक वस्तुओं के परिवहन में रेल की हिस्सेदारी बढ़ाना, टर्मिनल क्षमताओं का विस्तार और अंतिम–छोर तक कनेक्टिविटी को सुनिश्चित करना शामिल है।

माल ढुलाई से जुड़े ग्राहकों के संरक्षण के लिए नीति बनाने– जैसे उन्हें क्रॉस–सब्सिडी से बचाने और परिचालन लागत दक्षता में सुधार भी, वैश्विक मानक हासिल करने में महत्त्वपूर्ण होगा। ट्रेनों की औसत गति– यात्री और माल ढुलाई दोनों में, एक ऐसा दिशासूचक यंत्र है जहां रेलवे को कुछ सफलता हासिल हुई है और आगे भी बड़े सुधार की संभावना है। भारत में सुपरफास्ट ट्रेनों की औसतन गति 55 किमी प्रतिघंटे है जो वैश्विक बेंचमार्क से काफी कम है। टर्मिनल इंफ्रास्ट्रक्चर और क्षमता पर विशेष ध्यान देकर यह स्पीड तुरंत ही 7–10 किमी तक प्रतिघंटे बढ़ाई जा सकती है। दूसरी ओर मालगाडियों की औसत गति आधिकारिक रूप से 25 किमीध्प्रतिघंटे दर्ज की गई है, हालांकि ग्राहकों को अक्सर अनुभव होता है कि देरी समेत अन्य समस्याओं के कारण यह गति कम 13–15 किमीध्प्रतिघंटे ही रह जाती है। परिचालन दक्षता, परिसंपत्ति का रखरखाव प्रबंधन, टर्मिनलों पर क्षमता बढ़ाकर अवरोधों को कम करने और स्पीड बढ़ाने के लिए विशेष सेक्शन पर रणनीतिक कोशिश की जानी चाहिए। रेलवे की लॉजिस्टिक क्षेत्र में 27त्न हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम जरूरी हैं।

माल ढुलाई टर्मिनलों के आधुनिकीकरण और नेटवर्क विस्तार में रेलवे ने सराहनीय काम किया है, लेकिन और प्रयासों की आवश्यकता है। सडकों की तुलना में रेल किराया किफायती होना चाहिए। टर्मिनलों में निवेश और ग्राहक–अनुकूल नीतियां अपनाकर रेलवे लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में बड़ा योगदान दे सकता है। ये सुधार रेल परिवहन को लॉजिस्टिक्स की आधारशिला बनाते हैं, आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हैं। सुरक्षा, बुनियादी ढांचे व आधुनिक ट्रेनों ने रेलवे को कनेक्टिविटी का प्रमुख स्रोत बनाया है। 3 एस रणनीति (तेज गति, सेवा की गुणवत्ता और कम लागत) पर ध्यान केंद्रित करते हुए रेलवे को अपनी हिस्सेदारी बढ़ानी चाहिए। यह अभियान लोगों और देश की आर्थिक आकांक्षाओं को नई ऊंचाई पर ले जा सकता है।

देश में हर साल बढ़ जाते हैं मूक-बधिर बच्चे

डॉ. शुभकाम आर्य
वरिष्ठ ईएनटी विशेषज्ञ

चाहे हम मृत्यु दर को कम करने में सफल रहे है, लेकिन विकलांगता का बोझ अभी भी बड़ी समस्या बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अनुमान के अनुसार, विश्व स्तर पर करीब 15 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रकार की विकलांगता से ग्रसित है, जिसमें से 80 फीसदी विकासशील देशों में रहते हैं। अनुमान है कि हर 1000 शिशुओं में से 5 को गंभीर श्रवण हानि होती है। एक आंकलन के अनुसार भारत में हर साल अमूमन 27 हजार से अधिक बच्चे बहरे पैदा होते हैं। मूक बधिर बच्चे वो है जो ना बोलते है ना सुनते है। इनके ना बोलने का कारण महज ना सुनना ही होता है। वास्तव में मूक बधिर बच्चे अभिशाप नहीं है, लेकिन भारत जैसे देश में उन्हें मुख्यधारा में लाना एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है। कई बार समय पर पता नहीं चल पाता और इलाज में देरी से आशाजनक परिणाम से ये बच्चे वंचित हो जाते हैं। सुनने की क्षमता में कमी जन्मजात भी हो सकती है। अगर जल्द ही यह पता चल जाए कि बच्चे के सुनने में कमी है तो उसके इलाज के बेहतर परिणाम आ सकते हैं।

बहरेपन के शिकार बच्चे भी अन्य बच्चों की तरह ही दिखते हैं। अन्य विकृतियों के विपरीत, कान के अंदर की समस्याएं दिखाई नहीं देती हैं। जागरूकता की कमी से सुनने की हानि को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, इसलिए ज्यादातर मामलों में इनके निदान में देरी हो जाती है। मौजूदा हालात में जबकि ये जांचें व्यापक रूप से लागू नहीं है, बहुत से ऐसे बच्चे हैं जिनके अभिभावकों को देरी से पता लगता है। बोलने समझने में देरी देखकर ऐसे बच्चों की पहचान प्रायरू डेढ़ से तीन साल की उम्र के बीच हो पाती है। शुरू के 3 साल बोलने व समझने का सबसे महत्त्वपूर्ण समय होता है क्योंकि इस समय मस्तिष्क सीखने के लिए विकसित और परिपक्व हो रहा होता है। यदि इससे पहले ही मूक बधिर बच्चों को उचित उपचार मिल जाए तो इनके लिए सामान्य जीवन जीना संभव हो सकता है। संवाद क्षमता व भाषा कौशल बेहतर विकसित हो सकती है। यही कारण है कि सार्वभौमिक नवजात शिशु श्रवण जांच कार्यक्रम वर्तमान में कई देशों में संचालित है। परिणामस्वरूप वहां लगभग 98 प्रतिशत शिशुओं की सुनने की क्षमता की जांच 1 महीने की उम्र से पहले ही हो जाती है।

अनुशंसित प्रोटोकॉल के अनुसार सभी नवजात शिशुओं की एक माह की आयु से पहले जांच, तीन महीने की उम्र से पहले निदान की पुष्टि और छह महीने की आयु तक उपचार शुरू हो जाना चाहिए। इस प्रोटोकॉल को 1–3–6 बेंचमार्क के नाम से भी जाना जाता है। नवजात शिशु की सुनने की क्षमता को जांचने के दो मुख्य तरीके हैं ओटो–अकॉस्टिक एमिशन और ऑटोमेटेड ऑडिटरी ब्रेनस्टेम रिस्पॉन्स (एबीआर)। जरूरी होने पर अल्पआयु यहां तक की 2–3 महीने की उम्र के बच्चों में भी श्रवण यंत्रों का उपयोग किया जा सकता है। इनसे लाभ नहीं मिलने पर कोक्लियर इम्प्लांट प्रोसीजर किया जा सकता है, जिसके लिए आदर्श आयु 1 वर्ष से कम है। भारत में राष्ट्रीय बधिरता और संचार संबंधी विकार निवारण कार्यक्रम व राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्देश्य श्रवण दोष और बहरेपन के बोझ को कम करना है, लेकिन इसमें नवजात शिशुओं के लिए श्रवण जांच अनिवार्य रूप से शामिल नहीं है।

जागरूकता की कमी, सुनने की मशीन की अस्वीकार्यता वाली मानसिकता के साथ भारत में एक बड़ी चिंता यह भी है कि स्क्रीनिंग प्रोग्राम करने के लिए देश में पर्याप्त ऑडियोलॉजिस्ट नहीं हैं, जो ये जांच करते हैं। उपचार के बिना, सुनने की क्षमता में कमी बच्चे के लिए विकासात्मक, भावनात्मक, शैक्षणिक उपलब्धि और सामाजिक चुनौतियों का कारण बन सकती है इसलिए जन्म के बाद ही हर बच्चे की सुनाई क्षमता की स्क्रीनिंग जांच अनिवार्य रूप से लागू होनी चाहिए।

मजबूत न्याय प्रणाली

गंभीर अपराधों के मामलों में भी दोनों पक्षों के मध्य परस्पर समझौतों में वृद्धि का आंकड़ा चौंकाने वाला है। बलात्कार जैसे घृणित अपराधों, विशेषकर नाबालिगों के खिलाफ कारित अपराधों में, प्रकरण पंजीबद्ध होने से आरोपी को सजा होने तक आपसी समझौतों के कारण अनेक उतार–चढ़ाव आते हैं। इससे प्रकरण की विश्वसनीयता एवं पीडिघ्त पक्ष द्वारा पेश तथ्यों पर भी सवाल लगता है।

विधिक परिभाषा के अनुसार हत्या, बलात्कार, पॉक्सो अधिनियम में दर्ज मामले और अन्य संगीन जुर्म अशमनीय अपराध हैं। इसका तात्पर्य है कि दोनों पक्ष परस्पर सुलह व संधि के आधार पर प्रकरण का निपटारा स्वयं नहीं कर सकते। ऐसे मामलों में तथ्यों के आधार पर प्रकरण का अनुशीलन व निर्णय न्यायालय को ही करना चाहिए। ऐसे प्रकरणों को कोर्ट के बाहर सुलझाने के कई सामाजिक व विधिक मायने हैं। ऐसे प्रकरणों में परस्पर समझौतों का अध्ययन किया जाए तो आरोपी धनबल, बाहुबल तथा जान–माल के खतरे का दबाव बनाकर पीडिघ्ता एवं उसके परिजनों को समझौते के लिए विवश कर सकता है। यह गलत है। ऐसी बनावटी और खोखली व्यवस्था समाज व आमजन को वास्तविक न्याय प्रदान करने में विफल साबित होती है। साथ ही यदि किसी लालच या स्वार्थ के कारण पीडिघ्त पक्ष आरोपी पक्ष से समझौता करता है या मिथ्या प्रकरण के जरिए आरोपी पर दबाव बनाया जाता है, तो यह कानून का दुरुपयोग है। उदाहरणार्थ हनी ट्रैप जैसे घृणित प्रकरण सम्पूर्ण समाज ही नहीं बल्कि सकल मानवता को भी शर्मसार करते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में रामजीलाल बैरवा ए.एन.आर. बनाम राजस्थान राज्य के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय का निर्णय निश्चित ही सम्पूर्ण न्याय तंत्र के लिए पथ प्रदर्शक एवं मील के पत्थर के समान है। उक्त प्रकरण में उच्चतम न्यायालय ने गंभीर अपराधों जैसे पॉक्सो प्रकरणों में समझौते के आधार पर दर्ज प्राथमिकी को खारिज या खत्म नहीं किए जाने का निर्णय पारित किया है। इसमें कोई संशय नहीं है कि ऐसे गंभीर प्रकरणों का दुष्प्रभाव सम्पूर्ण समाज पर पड़ता है। ये अपराध किसी एक व्यक्ति नहीं बल्कि सम्पूर्ण समाज के खिलाफ होते हैं। ऐसे अपराधों के जरिए सामाजिक समरसता व ताने–बाने पर कठोर प्रहार कर मानवीय मूल्यों को कलंकित किया जाता है। ऐसे में यह सख्त व स्पष्ट संदेश देना आवश्यक है कि भारतीय न्याय प्रणाली किसी के हाथ की कठपुतली नहीं है। हर अपराधी को यह बोध होना चाहिए कि संगीन वारदात का अंजाम कानून प्रदत्त दण्ड है जिसे वह किसी धनबल या बाहुबल से प्रभावित नहीं कर सकता। साथ ही स्वार्थ और लालच के कारण दबाव बनाने की गरज से मिथ्या प्रकरण दर्ज कराने वाले भी कानून के कटघरे से नहीं बच सकते। न्यायिक दृष्टि से ऐसे समझौतों का कोई विधिक महत्व नहीं है। ऐसे प्रकरणों की जांच महज मेरिट से ही होगी।स्पष्ट है कि अशमनीय संगीन अपराधों में समझौता करना, कराना एवं स्वीकार करना न्यायिक मूल्यों व आमजन के हितों के विपरीत है। गंभीर अपराधों के मामलों को निपटाने वाली मजबूत न्याय प्रणाली वास्तव में भावी समाज व राष्ट्र की दशा–दिशा निर्धारित करती है। सुरक्षित और सुदृढ़ समाज की नींव सशक्त न्याय व्यवस्था है। ऐसी न्याय व्यवस्था की स्थापना, संरक्षण एवं सफल संचालन समूचे समाज और देश के हित में है।

रेपो रेट के अलावा भी हों प्रयास

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की लगातार कोशिशों के बाद भी महंगाई बेलगाम बनी हुई है। अनाज, दल–दलहन, फल, सब्जियां, दूध आदि की बढ़ी कीमतों से आम लोग त्रस्त हैं। उनके लिए बैंकों से सस्ते कर्ज भी फिलहाल मृग मरीचिका हैं, क्योंकि नई मौद्रिक नीति में आरबीआइ ने लगातार 11वीं बार रेपो रेट को 6.5: पर बरकरार रखा है। रेपो रेट नहीं घटने से मध्यम वर्ग फिर मायूस है, जो लंबे समय से मकान–वाहन के कर्ज की ईएमआइ में राहत का इंतजार कर रहा है। महंगाई ने आरबीआइ के कदम बांध रखे हैं। इसे काबू करने के लिए ही रेपो रेट बढ़ाई गई थी। जब तक इसमें कामयाबी नहीं मिलती, रेपो रेट नीचे आने के आसार नहीं हैं।

दरअसल, महंगाई और विकास दर इस समय आरबीआइ के लिए सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। नई मौद्रिक नीति में चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7.2: से घटाकर 6.6: और मुद्रास्फीति का अनुमान 4.5: से बढ़ाकर 4.8: करने से स्पष्ट है कि दोनों मोर्चों पर वह फूंक–फूंककर कदम रखना चाहता है। रूस–यूक्रेन और इजराइल–फिलिस्तीन युद्ध के कारण अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर दुनिया के कई विकसित देश तक बड़े झटके झेल चुके हैं। ऐसे में राहत की बात है कि भारत की अर्थव्यवस्था पर ज्यादा प्रतिकूल असर नहीं पड़ा है। इस समय भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। शायद यह भी एक बड़ा कारण है कि आरबीआइ ब्याज दरों में बदलाव का कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता है। आरबीआइ लंबे समय से महंगाई की दर 4: तक लाने के भगीरथ प्रयास में जुटा है।चिंता की बात है कि इसके बावजूद यह दर लगातार उसके लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। पेट्रोल–डीजल की कीमतें एक हद तक स्थिर होने के बावजूद महंगाई बेलगाम क्यों है, इसकी पड़ताल की जरूरत है। पिछले साल मानसून कमजोर रहने को महंगाई का एक कारण बताया गया था। इस साल मानसून संतोषजनक रहा है। फिर भी कई उपभोक्ता चीजों के दाम पिछले साल के मुकाबले बढ़ गए। आमतौर पर अभाव के कारण इन चीजों के दाम बढ़ते हैं। बाजार में अभाव जैसे हालात नहीं हैं, लेकिन चीजें महंगी बिक रही हैं। पता लगाया जाना चाहिए कि बाजार में जमाखोरी और कालाबाजारी से ज्यादा मुनाफाखोरी का खेल तो नहीं चल रहा है? देश की विकास दर बढ़ाने के साथ–साथ महंगाई को काबू में रखने के उपाय खोजे जाने चाहिए।

कर विभाग, नगर निगम प्रयागराज
जोन कार्यालय जोन–03

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित भवन संख्या के स्वामियों के वारिसानो तथा अन्य सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही कर विभाग जोन– 03 में विचाराधीन है। संबंधित पक्षो को धारा 213 की नोटिस भेजी जा चुकी है। आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाणों सहित विज्ञापन की तिथि से 15 दिनों के अंदर आपत्ति दाखिल कर दें, अन्यथा एक पक्षीय कार्यवाही पूर्ण हो जायेगी।

कम सं0	भवन संख्या/मोहल्ला	भवन स्वामी का नाम	जिसके पक्ष में नाम परिवर्तन होना है	नामान्तरण आधार
7788.	59/6A NEWADA	श्री श्याम लाल	श्री संजय कुमार	.वरासतन
7789.	325/335/5 -516 NEWADA	श्री अमित कुमार	श्री राजेश कुमार यादव	.बैनामा
7790.	330A/10 NEWADA	श्रीमती मधू भटनागर	श्रीमती शिवा सिंह आदि	.वरासतन
7791.	183/122A/1 MENHDAURI	अशरफ अली	श्री मौसिफ अहमद आदि	.वरासतन
7792.	38/3 GOVINDPUR	गजेन्द्र कुमार	शिवपूजन	. बैनामा
7793.	38/1 GOVINDPUR	श्री गजेन्द्र कुमार	श्री शिव पूजन	.बैनामा
7794.	130A/3D/6A TELIYARGANJ	श्रीमती इन्द्रावती देवी	श्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव	.वरासतन
7795.	5/7/24/1 JONDHWAL	श्री राम नेत्र शुक्ल	श्री श्याम शंकर शुक्ल आदि	.वरासतन
7796.	67/73 SWARAJ NAGAR	श्रीमती सीता देवी	श्रीमती कविता कुशवाहा आदि	.वरासतन
7797.	98/47 SHILAKHANA	श्री राजेश कुमार राज	श्रीमती परवीन खान	.बैनामा
7798.	96A CHHOTE LAL KUSHWAHA NAGAR	श्रीमती पंचरत्ना देवी	श्रीमती कामनी सिंह	.वरासतन
7799.	1/F-702/ 6TH FLOOR BLOCK A- CALVIN ROAD	श्रीमती रीना सिन्हा	सुश्री मोनिका त्रिपाठी आदि	.बैनामा
7800.	84/T 31 DAYADAND MARG	श्री प्रदीप सिंह	विपुल कुमार राय आदि	.बैनामा
7801.	8B/4 CLIVE ROAD	श्रीमती रितू जायसवाल	विजय कुमार अग्रवाल	.बैनामा
7802.	18/21 L. B. SH. MARG	श्रीमती उषा सोनी सिंह आदि	श्री विशाल सिंह आदि	.वरासतन
7803.	138E/F 08 M.G. MARG	श्रीमती नीतू सिंह आदि	श्रीमती संजू सिंह	.बैनामा
7804.	7/15 TASHKAND MARG	श्री राकेश श्रीवास्तव	श्री रक्षक श्रीवास्तव आदि	.वरासतन
7805.	8A/4A KAMLA NEHRU ROAD	श्रीमती मिथलेश आंदियास	श्री एफ0 डी0 एम आंदियास आदि	.वरासतन
7806.	3 V T.B. SAPRU ROAD	श्री जी0 के चतुर्वेदी आदि	केवल माया डे के स्थान पर शेष नाम के साथ तरूण कुमार डे	.वरासतन
7807.	42/36 V ROAD BELI ROAD	जगदीश चन्द्र	दर्जनाम के साथ सचिन यादव व विभाजन	.बैनामा
7808.	91/86 NAYA KATRA	श्री बुलाकी आदि	केवल शेखर के स्थान पर शेषनाम के साथ अर्जुन व विभाजन	.बैनामा
7809.	317/73/1A/2 STANLEY ROAD	श्री राम सजीवन	श्री फूलचन्द्र पटेल	.बैनामा
7810.	68/51A R.B. CH. DA. ROAD	ए0 आर0 के0 कन्स्ट्रक्शन द्वारा श्री रूप कमल सोनकर आदि	श्रीमती शैलजा मिश्रा विभाजन	.बैनामा
7811.	66D BAG BABA SHEETAL DAS	श्री कृपा शंकर त्रिपाठी	श्री शक्ति कृष्ण त्रिपाठी आदि	.वरासतन
7812.	509/3 COLONELGANJ	श्री बब्बू आदि	श्रीमती शशि यादव आदि	.वरासतन
7813.	825/701 COLONELGANJ	श्री लाल चन्द्र साहू आदि	श्रीमती गौरी देवी आदि	.वरासतन
7814.	719/609 COLONELGANJ	श्रीमती हंसराज कुंवर आदि	श्री भूपेन्द्र कुमार सिंह का नाम खारिज होगा शेष नाम यथावत रहेंगा।	.न्यायालय के आदेश के द्वारा
7815.	13/11 B BELI ROAD	अविनाश चन्द्र वाजपेई	श्री सत्यम तिवारी आदि	.पंजीकृत वसीयत
7816.	122/18C M.G. MARG	ओम प्रकाश श्रीवास्तव	दर्ज नाम के साथ श्रीमती ममता देवी व विभाजन	.बैनामा
7817.	280/2A BELI	श्री कुलदीप कुमार	श्रीमती नीलू कनौजिया	.वरासतन
7818.	17B/8A/1 RAJAPUR	श्रीमती सुशीला देवी	सीमा कुशवाहा	.बैनामा
7819.	248/99A/2B NEWADA	कावेरी बनर्जी	श्री दीपक चौरसिया	.बैनामा
7820.	372/140 NEWADA	श्री चन्द्र मोहन शर्मा	श्रीमती मृदुला संख्यान आदि	.वरासतन
7821.	63D/14D/5E STANLEY ROAD	नासिर उद्दीन आदि	श्रीमती शाहीन	.बैनामा
7822.	63E/A-2/8/1 STANLEY ROAD	श्री अनिल कुमार मौर्या	श्री पंकज कुमार यादव	.बैनामा
7823.	122/1 STANLEY ROD	श्री विजय बहादुर पटेल आदि	श्री विजय पटेल	.बैनामा
7824.	1075/548B/4C RAJAPUR	श्रीमती समसुन्नि खां	श्री आलम गीर खान आदि	.वरासतन
7825.	99B/63A/01 STANLEY ROAD	श्रीमती कामिनी सिंह	श्री बृज किशोर सिंह	.वरासतन
7826.	165/58X NEWADA	श्री जगदीश सिंह यादव	श्रीमती मुन्नी देवी	.वरासतन
7827.	7B/8B/G-F-201 MUIR ROAD	श्री राजदीपक पाण्डेय	श्री राहुल अग्रवाल	.बैनामा
7828.	106/63A/9/1 STANLEY ROAD	श्री प्रद्युम्न त्रिपाठी आदि	श्री प्रद्युम्न त्रिपाठी व श्री प्रशान्त त्रिपाठी का नाम खारिज होंगा, शेष नाम यथावत रहेंगा	.पंजीकृत दान
7829.	891/522B/1 RAJAPUR	श्री लक्ष्मी नरायन शंखवार आदि	श्री लक्ष्मी नरायण शंखवार का नाम खारिज होंगा शेष नाम यथावत रहेंगा।	.वरासतन
7830.	55E MUIR ROAD	श्री मोहित अग्रवाल आदि	श्री रोहित अग्रवाल का नाम खारिज होंगा, शेष नाम यथावत रहेंगा।	.बैनामा
7831.	888/526E/5 RAJAPUR	श्री कड़ेदीन आदि	श्री लाल बहादुर सिंह का नाम खारिज होगा इनके स्थान पर श्रीमती तारा मिश्रा का नाम अंकित होगा शेष नाम यथावत रहेगा।	.बैनामा
7832.	115/2 MENHDAURI	श्री सत्येन्द्र कुशवाहा	दर्ज नाम के साथ श्री निर्मल कुमार कुशवाहा	.बैनामा
7833.	61 I/4A/1 CHANDPUR SALORI	श्रीमती इन्दू शुक्ला	श्रीमती मीना ओझा	.बैनामा
7834.	8A/7D/1B SALORI	श्रीमती पुष्पा देवी	दर्ज नाम के साथ श्री महेन्द्र कुमार	.बैनामा
7835.	204/93B SHUTURKHANA	श्री अद्वैत कुमार श्रीवास्तव	श्री श्रेयश जायसवाल	.बैनामा
7836.	796/599C/1 MUMFORDGANJ	श्री मो0 इजराइल आदि	श्रीमती राधा जायसवाल आदि	.बैनामा
7837.	797/600 M. H. SCHEME	श्रीमती इन्दू मिश्रा आदि	श्रीमती इन्दू मिश्रा का नाम खारिज होंगा शेष नाम यथावत रहेंगा।	.बैनामा
7838.	848/720 J COLONELGANJ	श्री रवि प्रकाश सोनकर	श्री उदय प्रताप सिंह	.बैनामा
7839.	61/52 M. H. SCHEME	श्रीमती आंचल सिंह	श्रीमती जूली सोनी	.बैनामा
7840.	553/442 M. H. SCHEME	श्री राजाराम जायसवाल	श्री शिव प्रकाश जायसवाल आदि	.वरासतन
7841.	376/172 RASULABAD	श्री हंसराज आदि	श्रीमती अमरावती विभाजन	.बैनामा
7842.	174 Y /1A MENHDAURI	श्री चन्द्र शेखर पटेल	श्रीमती नीलम सिंह विभाजन	.बैनामा
7843.	E.W.S.-186 KATAJU NAGAR AW. YOJANA	श्री ब्रह्म प्रसाद सचान	श्री रंजना कनौजिया आदि	.बैनामा
7844.	185 E.W.S KATAJU NAGAR AW. YOJANA	श्री ब्रह्म प्रसाद सचान	श्री रंजना कनौजिया आदि	.बैनामा
7845.	184 E.W.S KATAJU NAGAR AW. YOJANA	श्रीमती मंजू सचान	श्री रंजना कनौजिया आदि	.बैनामा
7846.	183 E.W.S KATAJU NAGAR AW. YOJANA	श्री ब्रह्म प्रसाद सचान	श्री रंजना कनौजिया आदि	.बैनामा
7847.	261/137C/9 CHANPUR SALORI	श्रीमती सावित्री देवी	श्री ओम प्रकाश सिंह आदि	.वरासतन
7848.	81A SALORI	श्री गोपी आदि	शेष दर्ज नाम के साथ श्री हरीश चन्द्र	.वरासतन
7849.	211/160 SALORI	श्री परमानन्द	श्रीमती कृष्णा शुक्ला आदि	.वरासतन
7850.	301/1/106B/7 SHUTURKHANA	श्री मुकेश कुमार आदि	दर्ज नाम के साथ श्रीमती सावित्री देवी	.बैनामा

पत्रांक सं.डी.–2766/ज.सम्प.अधि./2023 दिनांक – 13.09.2023

जोनल अधिकारी
जोन–03 नगर निगम प्रयागराज

जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यो की समीक्षा की,दिए निर्देश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में कल देर सायंकाल रूपये 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं/निर्माण कार्यो की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने पिछली मासिक बैठक में दिये गये निर्देशों एवं प्रगति के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। बैठक में जिलाधिकारी ने परियोजनाओं/निर्माण कार्यो की समीक्षा कर अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं के निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है उनकी कमेटी बनाकर जांच कर एक सप्ताह में हैण्डओवर कर दिया जाये। हैण्डओवर के बाद सम्बन्धित विभाग उसका संचालन करें जिससे जनसामान्य व प्रशासकीय हित में कार्य किये जाये। उन्होने कहा कि जिन परियोजनाओं में रिवाइज्ड इस्टीमेट बने है उन्हें तत्काल प्रभाव से भेजवाया जाये। परियोजनाओं के कार्यो के पूर्ण करने की तिथि जो दर्शायी जाये उसी तिथि के अन्दर परियोजनाओं का कार्य पूर्ण कराया जाये। अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सम्बन्धित अधिकारी अपने–अपने परियोजनाओं के कार्यो का स्थलीय निरीक्षण कर उसकी गुणवत्ता को देखें और जो भी कमियां दिखायी दें उसे सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को अवगत कराते हुये दुरूस्त करायें नही तो स्वयं की जिम्मेदारी तय की जायेगी। उन्होने निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है उनका भुगतान समय से किया जाये। सभी विभाग गाइडलाइन के अनुसार ही कार्य को करें।

जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यो को लम्बित कदापि न रखा जाये, निर्माणपरक कार्यो में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाये, यदि किसी भी स्तर पर गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पायी जाती है तो सम्बन्धित अधिकारी का उत्तरदायित्व निर्धारित कर उनके विरूद्ध नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद, डीसी मनरेगा अश्वनी सोनकर, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रियंका सोनी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

कुल 06 प्रकरणों में सुलह समझौता कराया

सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशानुसार जनपद में "मिशन शक्ति" नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के क्रम में रविवार को महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पर आयोजित परामर्श केन्द्र में थानाध्यक्ष महिला थाना, सविता सरोज मय टीम द्वारा महिला थाना रॉबर्ट्सगंज में पति–पत्नी के बीच चल रहे विवाद के संम्बंध में 06 जोड़ा पति–पत्नी की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें सुलझाया गया जिससे पति–पत्नी राजी–खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गए तथा 01 प्रकरण में अग्रिम तिथि नियत की गयी है । सप्ताह में कुल 06 प्रकरण में सुलह समझौता कराया गया। काउंसलिंग के दौरान महिला थानाध्यक्ष द्वारा परामर्श केन्द्र में आये दम्पतियों की पारिवारिक सम्बंधी प्रकरणों में उनकी काउंसलिंग की गयी तथा पति–पत्नी को आपस में विवाद को खत्म कर सुलह–समझौता कराया।

अधिवक्ताओं ने धरना प्रदर्शन कर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

आजमगढ़। स्थानीय तहसील परिसर मे तहसीलदार कक्ष के सामने मंगलवार को दी बार एसोसिएशन लालगंज के अधिवक्ताओ ने धर्मेश पाठक की अध्यक्षता मे धरना प्रदर्शन कर तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार पर जताया विरोध। दी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नगेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि तहसील में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है । तहसीलदार पड़ोसी जिले जौनपुर के रहने वाले हैं उनके तमाम रिश्तेदारों एवं दलालों के माध्यम से पत्रावली एवं अन्य पैमाइश कार्य में लंबी रकम जो की दस हजार रुपया (10000) से लेकर तीस हजार रुपया (30000) तक की सुविधा शुल्क के नाम पर लिया जाता है। तहसील के आधा दर्जन भष्ट्राचारी लेखपालों के माध्यम से नियम कानून को ताक पर रखकर कार्य कर रहे है। तहसीलदार लालगंज के खिलाफ अधिवक्ताओं व वादकारियो एवं जनता में काफी आक्रोश व्याप्त है । प्रदेश सरकार की छवि को धूमिल करने का कार्य हो रहा है । अधिवक्ता की दो माह पूर्व तहसील परिसर से चोरी हुई मोटरसाइकिल न बरामद होने पर पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया । साथ ही साथ तहसील परिसर में अधिवक्ता की गाडियो की पार्किंग , स्टैंड न बनाये जाने से नाराजगी जताई । इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता समर बहादुर सिंह , हामिद अली , कुवर बहादुर सिंह , सन्तोष सिंह , अशोक अस्थाना , कृष्ण कुमार मोदनवाल , विनय चतुवेदी , राजेश सिंह , नीरज पाण्डेय , भोला गुप्ता , सन्तोष पाण्डेय शाहिद अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता लल्ले मिश्रा ने किया ।

सर्पदंश से बालक की मौत

सीतापुर(आरएनएस)। कमलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम नवागांव में सर्पदंश से एक बालक की मौत हो गई नवागांव निवासी राज सिंह उम्र 12 वर्ष पुत्र कमलेश सिंह को विषैला सांप ने काट लिया राज कच्ची कोठरी में बेड पर बैठकर पढ़ाई कर रहा था कक्षा 6 का छात्र था बड़ी बहन जब खाना खाने के लिए बुलाने गई तो सोता मिला जिसको काफी जगाने के बाद होश नहीं आया घर वालों ने आनंन फानन में एंबुलेंस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली लेकर गए जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया डॉक्टर ने बताया किसी विषय में सर्प ने काटा। राज सिंह के पांच भाई थे जिसमें से यह चौथे नंबर पर था एवं तीन बहने थी जिसमें एक की शादी हो गई पिता कमलेश सिंह दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करते थे राज की मृत्यु सुनने पर गांव में सन्नाटा बीत गया परिवार वालों ने पोस्टमार्टम न कराकर कर अंतिम संस्कार कर दिया।

मृतक युवती की हुई पहचान

आजमगढ़। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के कप्तानगंज–अहरौला मार्ग पर रविवार की शाम एक 25 वर्षीय अज्ञात युवती अचेतावस्था में मिली थी। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। युवती की हालत गंभीर देख पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आज मंगलवार को परिजनों ने उसकी पहचान की। कंधरापुर थाना क्षेत्र के मुजफ्फरपुर गांव निवासी खुशनुमा (17) पुत्री सरफुद्दीन की मां सबनम ने बताया कि 5 फरवरी बुधवार की दोपहर लगभग 2 बजे उसकी बेटी घर से निकली थी। हम लोगों द्वारा खोजबीन की जा रही थी, मीडिया के माध्यम से सूचना मिली कि रविवार की रात लगभग 7 बजे कप्तानगंज बाजार अहिरौला रोड पर अचेत अवस्था में मिली है, पुलिस जिला अस्पताल ले आई ।

आधार में त्रुटियो का सुधार कराने में लोगों को हो रही काफी परेशानी

आजमगढ़। आधार कार्ड में त्रुटियों का सुधार कराने में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ।जिसके चलते लोग फार्मर रजिस्ट्री कराने व अपार आईडी बनवाने से वंचित हो रहे है।प्रधानमंत्री किसान सम्मान राशि पाने के लिए शासन द्वारा फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य कर दिया गया है उसी तरह विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों का अपार आईडी अनिवार्य कर दिया गया है। अधिकांशतः आधार कार्ड में कोई न कोई त्रुटि है जिसके कारण न तो फार्मर रजिस्ट्री हो पा रही है न ही अपार आईडी बन पा रही है।खतौनी में नाम के आगे सिंह,पाण्डेय,राय, गुप्ता,यादव,चौहान नहीं लिखा है ।

रेलवे पुलिस को गेट खुलवाने में करना पड़ता है जद्दोजहद

चिकूट। महाकुंभ के लिए जा रही ट्रेनों में बहुत भीड़ चल रही है। चित्रकूटधाम रेलवे स्टेशन में ट्रेनें पहुंचने पर पहले से बोगी में मौजूद श्रद्धालु बोगी का दरवाजा नहीं खोल रहे हैं। प्लेटफार्म पर मौजूद श्रद्धालु डिब्बे के अंदर चढने के लिए पूरा जोर लगा देते हैं। यदि सावधानी नहीं बरती गई तो यहां भी दिल्ली की तरह हादसा हो सकता है। ट्रेन चलने लगती है इसके बाद भी दौडकर श्रद्धालु बोगी में चढने का प्रयास करते हैं। महाकुंभ के चलते प्रयागराज से आने जाने वाली सभी ट्रेनों में इस समय खचाखच भीड़ चल रही है। सभी बोगियों में दरवाजे तक श्रद्धालु बैठे रहते हैं। कई की बोगी के दरवाजे बंद रहते हैं। जैसे चित्रकूट रेलवे स्टेशन में ट्रेन पहुंचती है तो यात्रा करने वाले श्रद्धालु दरवाजे के साथ ही अपनी खिड़कियां बंद कर लेते हैं। प्लेटफार्म से चढने वाले यात्री किसी भी हाल में ट्रेन में चढने की कोशिश करते हैं। जीआरपी व आरपीएफ के जवानों की मदद से किसी तरह से यदि डिब्बे का दरवाजा खुलवाते हैं तो उसमें एक साथ भीड़ घुसने की कोशिश करती है। इसके बाद भी कई श्रद्धालु ट्रेन में नहीं चढ़ पाते। यदि समय से सावधानी नहीं बरती गई तो यहां भी दिल्ली की तरह हादसा हो सकता है।

शहर में शनिवार की देर रात को नो इंट्री के बाद भी ट्रक व अन्य मालवाहकों की लंबी लाइन चौराहे पर लग गई। ट्रक चालकों ने बताया कि यातायात विभाग या पुलिस विभाग की ओर से किसी ने भी रोकने के लिए नहीं कहा। यहां तक कहा कि कुछ सिपाहियों ने ट्रकों को निकालने की हरी झंडी दी। तभी वह सब आये हैं। अब उनके वाहनों के चालान किये जा रहे हैं।

भारतीय ज्ञान परम्परा एवं महर्षि दयानन्द सरस्वती विषयक द्विदिवसीया अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय संस्कृत, पालि, प्रकृत एवं प्राच्य भाषा विभाग द्वारा ष्भारतीय ज्ञान परम्परा एवं महर्षि दयानन्द सरस्वती विषयक द्विदिवसीया अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का सञ्चालन संस्कृत विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय की सहायक आचार्या डॉ. प्रतिभा आर्या ने किया। उद्घाटन सत्र में छात्राओं ने वैदिक मङ्गलाचरण किया। अतिथियों विद्वानों एवं वक्ताओं को पुष्पगुच्छ, प्रावार(शॉल) तथा स्मृतिचिह्न प्रदान कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। एक शोध ग्रन्थ का लोकार्पण भी किया गया है। अतिथियों का वाचिक स्वागत एवं अभिनन्दन संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो प्रयाग नारायण मिश्र सर ने किया कार्यक्रम की अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. आशीष खरे जी ने किया, मुख्य अतिथि स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी जो परमार्थ निकेतन आश्रम ऋषिकेश के अध्यक्ष है वे अस्वास्थ्यवशात् उपस्थित नही हो सके, विशिष्ट अतिथि के रूप में जे एन यु नई दिल्ली के लब्धप्रतिष्ठ आचार्य प्रोफेसर सुधीर कुमार आर्य जी रहे, सारस्वत अतिथि के रूप में पाणिनि कन्याध महाविद्यालय वाराणसी की प्राचार्या उपस्थित रही, मुख्य वक्तृत्वेन अमेठी से पधारे प्रोफेसर ज्वलन्त कुमार शास्त्री जी उपस्थित रहे, इसके अतिरिक्त दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रोफेसर धर्मेन्द्र कुमार शास्त्री जी , गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय से प्रोफेसर ब्रह्मदेव जी सपत्नीक पधारे, देशध्के नैकविध विश्वविद्यालयों से तथा महाविद्यालयों से सुधी विद्वान् इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे । संयोजिका ने महर्षि दयानन्द के जीवन परिचय से लेकर कर्तृत्व परिचय भी प्रदान किया, तत्पश्चात् बीजवक्तव्य देते हुये आचार्य ज्वलन्त कुमार शास्त्री जी के कहा कि १२ फरवरी १८२५ इस्वी को उनका जन्म हुआ था, चौदह वर्ष तक समग्र शास्त्रों का निरन्तर अध्ययन किया तथा योगविद्या में निष्णान्त हो गए इतोपि ज्ञान की कमी है ऐसा प्रतीत होने पर मथुरा में श्री गुरु विरजानन्द दण्डी स्वामी जी से अष्टाध्यायी को भलिभांति अध्ययन किया , दण्डी स्वामी जी ने गुरुदक्षिणा में दयानन्द से भारतखण्ड का उद्धार करने हेतु २० हजार पृष्ठ लिखित संख्या युधिष्ठिर मीमांसक के अनुसार, लेखन व्यापक है, राधावल्लभ त्रिपाठी के अनुसार शास्त्रार्थ परम्परा जो लुप्त हुयी थी जिसका पुनरुद्धार स्वामी दयानन्द जी ने किया अनेक पदयात्राएंध की, ४ वोल्युम में पत्र विज्ञापन छपे हैं, स्वामी जी के समय में सूचीव्यवस्था नही थी गणितविद्या रसायन विद्या इत्यादियोंध्को उपस्थापित किया, उनके कार्य भारतीय समाज का उत्स वेद है, अपौरुषेय वेद के पठनपाठन लुप्त प्राय था इन्होंने शंकराचार्य के ष्सशरीरत्वे हि संसारित्वं प्रसंगात्, रुपाद्याकाररहितमेव ब्रह्मपदमवधेयम्ष् का आधार देते हुये स्वामी दयानन्द जी के मत को पुष्ट किया, ष्आरोहन्ति जनयो योनिमग्नेष् के स्थान पर ष्अग्रेष् तत्कालीन पण्डितो ने सतीप्रथा का समर्थन किया था वही राजाराम तथा स्वामी दयानन्द जी ने सही अर्थ कर विरोध किया। सत्यव्रत सामश्रमी ने स्वामी दयानन्द जी का मत बतलाया ष्यथेमां वाचं कल्याणीमावदानी जनेभ्यःष् इससे स्त्रीशिक्षा का समर्थन किया, स्वामी दयानन्द जी वेद की प्रतिस्थापना की, अन्त में इन्होने दयानन्द सरस्वती के ग्रन्थों को पढने का आग्रह किया तथा आचार्य ऋण से मुक्त होने का प्रयत्न कीजिए तथा बहुश्रुत होइए, आगे श्रद्धेय सुधीर कुमार आर्य जी (जे एन यु.) ने कहा है कि आचार्य की परिभाषा में ही आचरण तत्त्व झलकता है। इन्होंने प्राचीन काल में हुयी वेद तथा यज्ञ के नाम पर उच्छृंखलता का वर्णन कर महर्षि दयानन्द की महत्ता प्रतिपादन किया। महर्षि दयानन्द के अनुसार वेद कभी भी हिंसा का प्रतिपादन नहीं करते हैं नैकविध भाष्यकारों ने अग्नि का अर्थ मात्र फायर किया है किन्तु म दयानन्द जी ने उसका अर्थ निरुक्त ने अनुसार अग्रणी या नेता के रूप में किया है ऐसे अनेक उदाहरण यथा – वामन, पुरोहित, विष्णु इत्यादि प्रो सुधीर आर्य जी ने प्रस्तुत किए, म दयानन्द वेदांग को साथ में रखते हुए वेद मन्त्रों का भाष्य करते हैं, इन्होंने अथर्ववेद के भूमि सुक्त की भी सुन्दर व्याख्या प्रदान की तथा ष्माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याःष् के उद्घोष को सार्थक किया। इसी क्रम में इन्होंने म. दयानंद सरस्वती विरचित ष्संस्कृत वाक्य प्रबोधष् पुस्तक की महनीयता की भी चर्चा की। इन्होने ष्पावका नः सरस्वती...ष् मन्त्र से सरस्वती स्वरूपा नारियों के विद्यावती होने की बात भी महर्षि दयानन्द सम्मत की।, यथावसर इन्होंने महर्षि दयानन्द सरस्वती कृत ष्संस्कारविधिष् ग्रन्थ की भी चर्चा की। महर्षि दयानन्द सरस्वती जी ने जालन्धर में प्रथमतया महिलाओं के लिए गुरुकुल निर्माण किया। भारत की पहली गौशाला का निर्मिति रेवाडी के अन्दर की थी। महर्षि दयानन्द जी समाज में समानता अथवा समता के पक्षधर थे इस बात को ष्समानि प्रपा सह वोअन्नभागा....ष् इस वेदमन्त्र के माध्यम से प्रस्तुत की। गुण कर्म स्वभावानुसार समाज में विवाह होने चाहिए ऐसे विचार प्रो सुधीर आर्य जी ने महर्षि दयानन्द सम्मत प्रदान किये। सर ने बताया कि महर्षि दयानन्द जी भारतीय पुनर्जागरण के प्रथम पुरोधा थे। तत्पश्चात् नन्दिता शास्त्री जी ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया प्रथमतया इन्होंने महाकुम्भ की प्रशंसा करते हुए महर्षि दयानन्द के कार्यों को पाथेय बनाने का निवेदन किया। कतिपय भाष्यकारों द्वारा कृत भ्रष्टताओं के कारण उत्तम उन्नत ज्ञान जनसाधारण तक सटीक रीत्या पहुंचाने के लिए महर्षि दयानन्द का अभूतपूर्व योगदान है। इन्होंने बताया कि व्याकरण पढने का उद्देश्य भी वेदों की रक्षा करना ही है। महर्षि दयानन्द का यह डिण्डिमघोष ष्वेदों की ओर लौटोष् को स्वव्याख्यान में उपस्थापित की है। महर्षि दयानन्द के अनुसार गौरी पद का अर्थ गौरवर्ण न करके गवि वाचि विद्यते या सा गौरी ऐसा अर्थ प्रस्तुत किया है विदुषी नारियों की महत्ता को प्रतिपादित किया है। अन्त में सत्राध्यक्ष के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो आशीष खरे जी ने अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत किया। इन्होंने बताया कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय वर्तमान में अपने पूर्ण उन्नति को प्राप्त है। भारतीय ज्ञान परम्परा में पराधीनता काल में पर्याप्त समाज सुधारक आएं परन्तु म दयानन्द जी ऐसे थे जो सुधार के लिए शिक्षा को प्रबल बनाने के समर्थक थे, वर्तमान में यदि अपने डि एन ए सिक्वेन्स को यदि ठीक किया जाए तो अनेक बिमारियों को ठीक किया जा सकता है इसको प्रस्तुत पहले म. दयानन्द ने अपनी संस्कारविधि मे दिग्दर्शित किया। दयानन्द सरस्वती जी ने बहुत सारी पुस्तके हिन्दी में लिखी वे हिन्दी भाषा के पक्षधर थे क्योंकि सामान्य जनसाधारण की बातो में कही गयी बात का असर कई दूर तक रहता है। इन्होंने बताया कि दयानन्द जी ने धार्मिक सामाजिक सुधार भी पर्याप्त किए। आशीष खरे जी का मानना है कि वैदिक कालावधि में महिलाओं की शैक्षिक एवं सामाजिक स्थिति पर्याप्त अच्छी थी , दयानन्द जी ने राजधर्म पर भी विचार किया है। महर्षि दयानन्द ने कहा है कि कला विज्ञान और संस्कृत की शिक्षा दि जानी चाहिए। अतः कहा जाए तो महर्षि दयानन्द जी को अवश्य जानना चाहिए अन्त में धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत विभाग की सह आचार्या डॉ. निरुपमा त्रिपाठी ने किया। इसके पश्चात् द्वितीय सत्र का प्रारम्भ हुआ जिसके सञ्चालक इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संस्कृतविभाग के सहाचार्य डॉ विनोद कुमार जी रहे तथा सत्राध्यक्ष बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से पधारे प्रोफेसर सदाशिव कुमार द्विवेदी जी रहे, मुख्यवक्ताओं प्रथम वक्त्री जम्मू विश्वविद्यालय से पधारी डॉ. प्रियंका आर्या जी ने अपने वक्तव्य में कहा है कि म. दयानन्द जी ने विषय को मन्त्र के उपर विषय निगदित करते हुये फिर भाष्य में पदार्थ करते है फिर भावार्थ करते है। इन्होंने सूर्य चक्षु इत्यादि शब्दों के माध्यम से म. दयानन्द के भाष्य की महत्ता प्रतिपादित की। म. दयानन्द ने विद्युतविद्या, यानविद्या, भौतिक विद्या, का भी वर्णन किया है वेदों में जीवविज्ञान के विषय भी यजुर्वेद भाष्य में दयानन्द स्वामी ने बतलाए हैं। इन्होंने कहा कि आवश्यकता यह है कि हमारी वेदों पठनपाठन के प्रति दृष्टि वैज्ञानिक हो तत्पश्चात् वसन्त महिला महाविद्यालय राजघाट वाराणसी से पधारे बृहस्पति भट्टाचार्य जी ने कहा कि योषा शब्द पर विचार किया है – यौति मिश्रयति सत्त्वादि आचाराद् अमिश्रयति अज्ञानादि अन्धकारात्, षोघ्नो अतिथि ष वाणी , गाय इसका अर्थ गाय को मारनेवाला अतिथि न हो कर गाय के लिए अन्न अपने भोजन से पहले निकाला जाए किन्तु अतिथि पूर्व आ जाए तो वो जो गाय के लिए अन्न रखा गया है वह उसे दिया जा सकता है यह अर्थ है ऐसे अनेक अर्थ महर्षि दयानन्द जी ने दिया है, भ्रान्तियों के निराकरण के लिए महर्षि दयानन्द जी को पढना अनिवार्य है। इनके अनुसार महर्षि दयानन्द जी के विचार वर्तमान समय में अनिवार्य है। इन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द के विचार बहु आयामी विचार है। डॉ विनोद कुमार सर ने महाभारत के शान्ति पर्व के २०६ अध्याय से एक श्लोक के माध्यम से बताया कि जिह्वा के लोलुप तथा धन के लोलुप लोगों के द्वारा वेदों को आधार बनाकर अर्थ किए गए है। इसी क्रम में इन्होंने इस शोध संगोष्ठी के माध्यम से महर्षि दयानन्द के ग्रन्थों में भी शोधाध्ययन हो यही प्रयोजन है इसे केवल आर्यसमाज का प्रचार न समझें अन्त में सदाशिव कुमार द्विवेदी जी ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि ऋग्वेदभाष्य हमारी क्रान्तिकारी कृति है। महर्षि दयानन्द सरस्वती का काल संघर्ष का काल था इन्होंने हमे नूतन वर्त्म प्रदान किया ये है– मेकर्स ओफ मोडर्न इण्डियाष् दयानन्द जी संपूर्ण समाज को स्वराज्य की ओर मोडा स्वराष्ट्, स्वभाषा स्वधर्म से इत्यादियों के माध्यम से, भारतीय तर्क में भावना भी जुडी हुयी है पाश्चात्यो में यह नहीं है लोग को देखकर संवाद माध्यम से अत्यन्त तार्किक दृष्टि से यह भारतीय ज्ञान परम्परा विकसित हुयी है। अतिथियों का स्वागत भारतीय जनमानस में व्यापृत रहना चाहिए तत्पश्चात् धन्यवाद ज्ञापन डॉ भूपेन्द्र वालखडे जी के द्वारा किया गया। तत्पश्चात् तृतीय सत्र प्रारम्भ हुआ जिसका सञ्चालन डॉ सन्त प्रकाशतिवारी जी के द्वारा किया गया , मुख्य वक्ता डॉ कल्पना आर्या, डॉ अमृता आर्या तथा प्रोफेसर ब्रह्मदेव जी मञ्चासीन रहे, इस सत्र के अध्यक्ष हिन्दी विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कुमार वीरेन्द्र जी रहे। डॉ कल्पना आर्या ने स्व वक्तव्य में कहा कि महर्षि दयानन्द कहा है कि ब्रह्मा से लेकर जैमिनि पर्यन्त जितने ग्रन्थ हैं वे सब आर्ष हैं उनका अध्ययन महिलाओं के लिए भी होना चाहिए। कात्यायन श्रौतसूत्र ष्स्त्री चाविशेषात्ष् इस सूत्र के अनुसार ष्भर्त्रा सहैवष् इस प्रकार स्त्री को स्वतन्त्र रूप से यज्ञाधिकार नही है। किन्तु महर्षि दयानन्द कहते है कई वार कि ष्इमं मन्त्रं पत्नी पठेत्ष् तदनुसार स्त्री अध्ययन करने वाली होगी तभी वह मन्त्र पढ सकती है। महर्षि दयानन्द ने यज्ञाधिकार महिलाओं को दिया। इन्होंने वर्तमान समस्याओं से तुलना करते हुये पर्याप्त चर्चा प्रस्तुत की। द्वितीय वक्त्री हिन्दी विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय की सहायक आचार्या डॉ अमृता आर्या ने स्वामी दयानन्द सरस्वती और उनका नवजागरण विषय पर उन्होंने कहा कि मैं दयानन्द सरस्वती को प्रगतिशील मानती हूं इस सन्दर्भ में उन्होंने केशव चन्द्र शास्त्री तथा म. दयानन्द सरस्वती के मध्य के हिन्दीभाषा विषयक वार्तालाप को बताती है , दयानन्द जी ने आदिवासी बाघेल जाती के शौर्य का उदाहरण देते है इसी प्रकाश प्रोफेसर ब्रह्मदेव जी ने महर्षि दयानन्द जी के पत्रव्यवहार से प्राप्त विचारोंध् को सबके समक्ष प्रस्तुत किया।

स्पिक मैके और एचसीएल कॉन्सर्टस में फगुआ गीतों की बौछार

प्रयागराज। बुधवार को स्पिक मैके और एचसीएल कॉन्सर्टस

श्अनहद–नादश कार्यक्रम में विदुषी सुनंदा शर्मा की श्सड्डे मन भाव दिया। गुलशन में बुलबुल चहंकी, संगम की रेती पर बंगला छवा दो मोरे राजाश ने समां बांध दिया। विनोद मिश्रा तबले पर, अनुराग मिश्रा हारमोनियम पर, शुभी पाण्डेय ने तानपुरे पर सहयोग दिया। श्रेयांश शुक्ला, सुनंदा शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। स्वागत विभागाध्यक्ष प्रेम कुमार मल्लिक ने किया। स्पिक मैके की प्रदेश समन्वयक मधु शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद सारिम ने किया। रिटायर्ड आईपीएस अफसर वी. के. सिंह, रेनू जौहरी, शांभवी शुक्ला मौजूद रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/547 & 548 दिनांक : 17.02.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं0 : 230-क0वि0-कार्य ठेका-938-2025

कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के पंडित दीन दयाल उपाध्याय - झिंझक सेक्शन के बीच ट्रैक्शन इंस्टॉलेशन संरचनाओं पर बंदरों के चढ़ने से रोकने के लिए बंदर विरोधी चढ़ाई उपकरण का प्रावधान।

अनुमानित लागत : रू0 63,89,614.27 | **बिड सुरक्षा राशि** : रू0. 1,27,800.00

निविदा सं0 : 230-क0वि0-कार्य ठेका-939-2025

कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के झिंझक - चिपियाना बुजुर्ग सेक्शन के बीच ट्रैक्शन इंस्टॉलेशन संरचनाओं पर बंदरों के चढ़ने से रोकने के लिए बंदर विरोधी चढ़ाई उपकरण का प्रावधान।

अनुमानित लागत : रू0 60,61,885.00 | **बिड सुरक्षा राशि** : रू0. 1,21,200.00

कार्य अवधि : 09 महीना | **बोली प्रणाली** : एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 10.03.2025, 14.00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 10.03.2025, 15.00 बजे

नोट :- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेवसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 323/25(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

छत्रपति शिवाजी जयंती पर पौधारोपण किया

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में बुधवार १९ फरवरी को प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर अनिमेष कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में छत्रपति शिवाजी जयंती मनाई गई। शिवाजी जयंती के अवसर पर उमरे मुख्यालय में अनिमेष कुमार सिन्हा ने शिवाजी महाराज के समक्ष दीप प्रज्वलित किया एवं पुष्प अर्पित किए। अतुल कुमार सिंह मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर, आर. पी. त्रिपाठी मुख्य चल शक्ति इंजीनियर, ऋषिराज उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर एवं कामरान अहमद सचिव प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के द्वारा शिवाजी महाराज पर पुष्प अर्पित किए गए। इसके पश्चात सभी अधिकारियों की तरफ से वृक्षारोपण किया गया । जिनमे प्रमुख रूप से आम, कटहल एवं अशोक के पौधो को लगाया गया। अंत में प्रमुख यांत्रिक इंजीनियर की तरफ से सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करने हेतु कपड़े के थैलो का वितरण किया। कार्यक्रम में लगभग 50 से अधिक अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मलित हुए । मुख्य पर्यावरण प्रबन्धक शिवाजी कदम ने छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारो को बताया की आज से लगभाग 400 साल पहले छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा पेडों के बचाव हेतु राज्य आदेश जारी किया। इस आदेश के तहत जहाजों के निर्माण हेतु बिना इजाजत पेडों को काटना मना किया। इसी उपलक्ष्य में आम, कटहल और अशोक के कुल पाँच पेड लगाये गए। वृक्षारोपण हेतु गड्ढो के निर्माण हेतु पेट्रोल चालित हैंड ड्रिल मशीन का उपयोग किया। शिवाजी कदम, मुख्य पर्यावरण प्रबन्धक के मार्गदर्शन में अखिलेश कुमार सिंह वरिष्ठ खंड इंजीनियर, शुभम यादव जूनियर इंजीनियर द्वारा सम्पन्न किया गया।

महाकुंभ में आई महिला की गला रेतकर हत्या, खून से लथपथ मिला, छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। महाकुंभ में आई महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। बाथरूम में ले जाकर गले को धारदार हथियार से रेता गया है। घटना को अंजाम देने के बाद साथ में आया युवक भाग निकला। घटना की जानकारी सुबह हुई तो खलबली मच गई।

झूंसी के आजाद नगर केवट बस्ती स्थित लॉज में बुधवार रात 35 वर्षीय युवती की गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसका खून से लथपथ शव बाथरूम में पड़ा मिला। युवती 40 वर्षीय युवक के साथ रात में पहुंची थी और दोनों ने भोर में संगम स्नान के लिए जाने की बात कहकर कमरा किराये पर लिया था। युवक गायब है और फिलहाल मुख्य संदिग्ध है। मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी। आजाद नगर में संजय बिंद का लॉज है। यहां उनकी मां धारा देवी व किरायेदार रहते हैं। संजय ने बताया कि बुधवार रात 8रू30 बजे के करीब उसका जानने वाले पूड़ी–सब्जी विक्रेता सुरेंद्र एक युवक–युवती को लॉज पर लेकर आया। फोन पर उसने बताया कि दोनों खुद को पति–पत्नी बता रहे हैं और उन्हें भोर में संगम स्नान करना है। रात में रुकने के लिए उन्हें कमरा चाहिए।

सफाई कर्मियों को जैकेट, कम्बल वितरित किया गया

प्रयागराज। नगर निगम, रामकृष्ण मिशन सेवा आश्रम के तत्वाधान

निर्मल अखाड़े के सचिव देवेंद्र शास्त्री, राम कृष्ण मठ से रामकृपाल मिश्र और जोनल अधिकारी संजय ममगाई के नेतृत्व में बुधवार को जोन 04 के वेणी माधव धर्मशाला बाई का बाग में 250 से ज्यादा सफाई मित्रो को जैकेट और कम्बल वितरित कर सम्मानित किया गया। महाकुम्भ को स्वच्छ और प्रयागराज को सुंदर बनाने वाले सफाई मित्रों को जोनल अधिकारी धिकारी संजय ममगाई ने प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं उपहार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062